सीयूजे में महिलाओं का सम्मान

रांची | वरीय संवाददाता

महिला दिवस पर केंद्रीय विवि में गुरुवार को महिलाओं को सम्मानित किया गया। ये सभी महिलाएं अपने-अपने क्षेत्रों में सराहनीय काम कर अपने व अपने देश का नाम रौशन की हैं।

कार्यक्रम में समाजसेवी बसंती गोप और रांची एसडीओ अंजलि यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने कहा कि महिला सशक्तीकरण को लेकर अपने विचार रखे। बसंती गोप ने अपने जीवन के संघर्षों की कहानी छात्र-छात्राओं को बतायी।

उन्होंने बताया कि पारा लीगल वॉलेंटियर होते हुए उनहोंने महिला प्रताड़ना, डायन-बिसाही जैसे अंधविश्वास के खिलाफ मुहिम छोड़ी थी। इस बीच काफी संख्या में शिक्षक, छात्र-छात्राएं मौजूद थी।

सीयूजे में गुरुवार को महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में एसडीओ व अन्य।

बीएयू में गोष्ठी आयोजित : महिला दिवस पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में गोष्ठी हुई। इसमें महिलाओं की बढ़ती सफलता व उनके समाज में स्थान पर चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ आवाज उठायी गई व इसके लिए बने कानून के बारे में जानकारी दी गई। कृषि संकाय के डॉ राघव ठाकुर ने कहा कि जब तक देश की आधी आबादी से भेद-भाव समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। गोष्ठी में डॉ सुप्रिया सिंह, डॉ वलेरिया लकड़ा, इस्टर टोप्पो सहित अन्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय विवि में महिला दिवस

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड के ब्रांबे स्थित परिसर में महिला दिवस का आयोजन किया गया. रांची की एसडीओ अंजलि यादव व समाजसेवी वसंती गोप विशेष रूप से उपस्थित थीं. कुलपति प्रो नंद कुमार यादव ने अतिथियों का स्वागत किया. चाईबासा निवासी वसंती गोप ने अपने जीवन के संघर्षों को छात्र और शिक्षकों से साझा किया. एसडीओ अंजलि यादव ने विद्यार्थियों को सफलता के गुर सिखाये. उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने का कोई शॉर्टकट नहीं है.

महिला दिवस पर केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, रांची : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुरुवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि चाईबासा निवासी व जिला विधिक सेवा प्राधिकार की पैरा लीगल वोलेंटियर बासंती गोप व एसडीओ अंजली यादव मौजूद थीं। कुलपति प्रोफेसर नंद कुमार यादव ने सभी का स्वागत किया। एसडीओ अंजली यादव ने विद्यार्थियों को सफलता के गुर सिखाए। कहा कि शिक्षा में आगे बढ़ने का कोई शॉर्टकट नहीं होता। कम्यूनिकेशन को जितना बेहतर करेंगे वे उतना आगे बढ़ेंगे। महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहरा रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय की छात्राएं हौसला बुलंद रखे तो सफलता जरुर मिलेगी। बासंती गोप ने अपने जीवन के संघर्षों के बारे में विद्यार्थियों और शिक्षकों को बताया। कहा कि अब तक सैकड़ों लावारिस शवों का अंतिम संस्कार कर चुकी हैं।